चौखट पर बैठ के बाबा अर्जी लगावा जी भजन लिरिक्स

चौखट पर बैठ के बाबा,
अर्जी लगावा जी,
तो अर्जी में आँसुडा री,
भेंट चढ़ावा जी,
अर्जी लगावा जी,
चोखट पर बैठ के बाबा,
अर्जी लगावा जी।bd।

तर्ज – आंख्या रो काजल थारो।

अर्जी में बाबा मैं तो,
कुटिया ही माँगी जी,
तो कुटिया ने महल,
बणायो बाबा श्याम जी,
अर्जी लगावा जी,
चोखट पर बैठ के बाबा,
अर्जी लगावा जी।bd।

अर्जी में बाबा में तो,
झोली फैलाई जी,
तो आँगन में लाल ने,
खिलायो बाबा श्याम जी,
अर्जी लगावा जी,
चोखट पर बैठ के बाबा,
अर्जी लगावा जी।bd।

अर्जी में थासु रोटी,
घरका की मागी जी,
तो चाकर ने सेठ,
बनायो बाबा श्याम जी,
अर्जी लगावा जी,
चोखट पर बैठ के बाबा,
अर्जी लगावा जी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

दुखड़ो सुनावा जी,
तो दुखड़ो मिटाकर,
सारो सुख बरसाओ जी,
अर्जी लगावा जी,
चोखट पर बैठ के बाबा,
अर्जी लगावा जी।bd।

अर्जी में 'अमित' बाबा,
अब थासु मांगे जी,
मांगे जन्मा जन्मा को रिश्तों,
थासू आज जी,
Bhajan Diary Lyrics,
अर्जी लगावा जी,
चोखट पर बैठ के बाबा,
अर्जी लगावा जी।bd।

चौखट पर बैठ के बाबा,
अर्जी लगावा जी,
तो अर्जी में आँसुडा री,
भेंट चढ़ावा जी,
अर्जी लगावा जी,
चोखट पर बैठ के बाबा,
अर्जी लगावा जी।bd।

Singer – Amit Bansal

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com